

(4)

Unit-III/इकाई-III

6. Critically analyze the respective rights, duties and liabilities of common carriers and private carriers. To what extent Railway in India discharge the duties of carriers?
सामान्य वाहक एवं निजी वाहक के अधिकार, दायित्व एवं कर्तव्यों की विवेचना कीजिए। भारतीय रेलवे वाहक के रूप में कर्तव्य निर्वहन हेतु कहाँ तक दाई है?

7. Write short notes on the following:

- (a) Sea Peril
(b) Sea Piracy
(c) Double Insurance.

निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए:

- (a) समुद्री जोखिम
(b) जल दस्युता
(c) दोहरा बीमा

Unit-IV/इकाई-IV

8. "Most of the multinational corporations abuse subsidiary companies as financial vehicle". Critically evaluate the statement in special reference to International Corporate Financing.
"अनेक बहुराष्ट्रीय निगमों ने अपनी अनुषंगी कम्पनियों का वित्त वाहन के रूप में दुरुपयोग किया है"। उक्त कथन का अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर निगमों के पूँजी प्रबन्धन में आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
9. Critically evaluate the UN Convention on the Limitation Period in International Sale of Goods. अन्तर्राष्ट्रीय माल विक्रय के सन्दर्भ में संयुक्त राष्ट्र परिसीमा अभिसमय के मुख्य प्राविधानों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

SFL-5026

A

(Printed Pages 4)

Roll. No. _____

SFL-5026

LL.M. (Semester-II) Examination, 2015

(New Course)

BUSINESS LAW

Paper-III

(International Trade Law-I)

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 70

Note : Answer **five** questions in all. Question **No. 1** is **compulsory**. Attempt **one** question from each Unit. Marks allotted to each question are indicated against them.
कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न सं. 1 अनिवार्य है। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रश्नों के अंक उनके सामने इंगित हैं।

1. Write short notes on the following: $4 \times 7 = 28$
निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये :
- (i) Adequacy of consideration
प्रतिफल की पर्याप्तता
- (ii) Nemo dat quod non habet legum
कोई व्यक्ति स्वयं से अच्छा हित अन्तरित नहीं कर सकता
- (iii) Actual and Constructive delivery
वास्तविक एवं आन्वयिक परिदान

P.T.O.

(2)

- (iv) Dispute resolution clause in International Commercial Contract
अन्तर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक संविदा में विवाद निपटान खण्ड
- (v) Free on Board
अबीमित माल
- (vi) Reinsurance
पुनर्बीमा
- (vii) Limitation in International Commercial Contract
अन्तर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक संविदा में परिसीमा
- (viii) Bill of lading
माल वहन पत्र

Unit-I/इकाई-I

2. "The rule about instantaneous communication between the parties is different from the rule of the Post. The contract is only complete when the acceptance is received by the offeror." Critically analyse the statement in the light of decided cases specially with reference to online contracts.
"पक्षकारों के मध्य त्वरित संचार साधनों द्वारा सूचना का नियम डाकखाने के नियम से भिन्न है, संविदा तभी पूर्ण हो जाती है जब यह प्रस्तावक द्वारा स्वीकृत कर ली जाती है।" उक्त कथन के आलोक में वाद विनिश्चयों के द्वारा ऑनलाइन संविदा में संसूचना की महत्ता का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

(3)

3. "Freedom of trade and restrictive trade practices have been synchronized under section 27 of Indian Contract Act 1872". Critically examine the statement in light of decided case laws.
व्यापार की स्वतन्त्रता एवं प्रतिषिद्ध व्यापार व्यवहार का समन्वय भारतीय संविदा अधिनियम की धारा 27 के अध्याधीन किया गया है।" उक्त कथन का वाद विनिश्चयों की सहायता से आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Unit-II/इकाई-II

4. What is the role of the consideration in formation of International Commercial Contract? Do you agree that doctrine of privity has done injustice to common man? Should we abolish the necessity of consideration for formation of contract?
अन्तर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक संविदा में प्रतिफल की क्या भूमिका है? क्या आप इस तथ्य से सहमत हैं कि ससर्ग के सिद्धान्त ने आम व्यक्ति के साथ अन्याय किया है? क्या हमें प्रतिफल की अनिवार्यता को समाप्त कर देना चाहिए।
5. What is a contract of work and material and how it is different from sale. Explain.
माल पर कार्य करने की संविदा माल विक्रय की संविदा से कैसे भिन्न है? व्याख्या कीजिए।